

नेतृत्व (Leadership)

नेता मूल रूप से उद्यमी होता है जिसमें समस्याओं के समाधान के नेतृत्व के गुण होते हैं। किसी व्यक्ति के नेतृत्व की स्थिति केवल मानव से सम्बन्धित होती है, वस्तुओं से नहीं। कोई भी संगठन कितना भी सम्पूर्ण क्यों न हो अथवा कोई भी संगठन कितना भी सुसज्जित क्यों न किया गया हो, नेतृत्व को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है और न अधिशासियों को आवश्यक प्रेरणा ही दे सकता है। एक कुशल नेतृत्व ही वास्तविक उपक्रम को इकट्ठे से बचा सकता है। एक उपक्रम में उच्चकोटि का नेतृत्व होना चाहिये, इसकी आवश्यकता संगठन के प्रत्येक स्तर पर होती है।

नेतृत्व का अर्थ एवं परिभाषा —

(Meaning and Definitions of leadership)

नेतृत्व वह क्षमता है जिसके द्वारा उसके अनुयायियों को कार्य-निष्पादन में आवश्यक प्रोत्साहन देती है, न कि वह अछे हाँकता है और वह अपने अनुयायियों के एक समूह से वांछित कार्य स्वेच्छापूर्वक करता है।

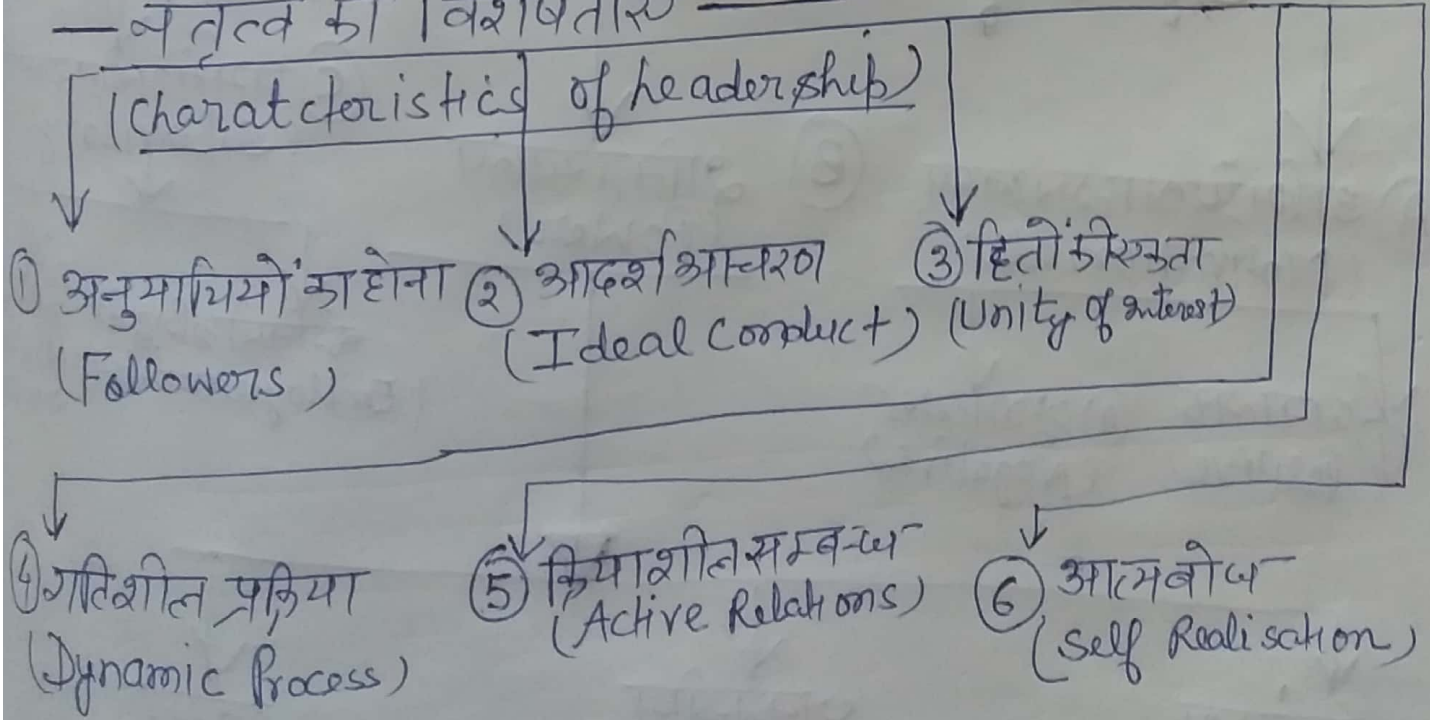
मुद्द विद्वानों का विचार है कि किसी व्यक्ति में नेतृत्व सम्बन्धी गुण अन्मज्जात होते हैं, प्राप्त नहीं किये जा सकते। इसी शब्दों में "नेता अन्मज्जाते हैं",

बनाए नहीं जा सकते " इसके विपरीत कुछ विद्वानों

का यह भी रुढ़ना है कि नेतृत्व प्राप्त किया जा सकता है
अर्थात् नेता बनाये जा सकते हैं। इस वाद-विवाद के
सम्बन्ध में ऑर्डवेटीड ने अपने विचार निम्न प्रकार
प्रकट किये हैं — नेता जन्मते भी हैं और बनाये
भी जाते हैं। जिन व्यक्तियों में नेतृत्व के गुण होते हैं,
वे अक्सर पाते ही इसका लाभ उठाते हैं और स्वतः
ही प्रकाश में आते हैं।

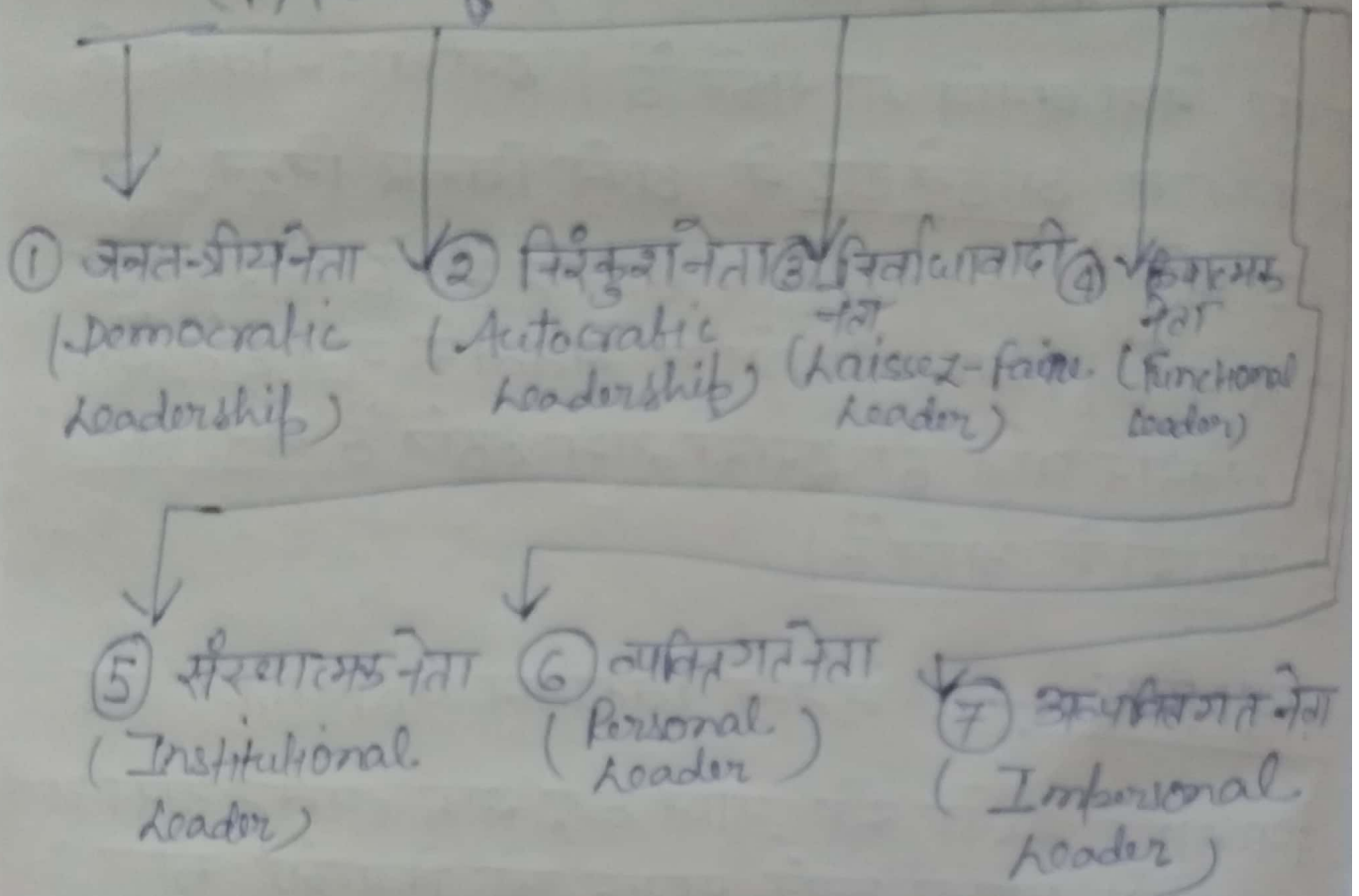
परिभाषा— नेतृत्व विद्यमान परिस्थितियों में
निर्धारित लक्ष्यो की प्राप्ति हेतु एक व्यक्ति द्वारा अप
व्यक्तियों अथवा उसके समूह की क्रियाओं को
प्रभावित करने एवं उनका मार्गदर्शन करने की प्रक्रिया है।

नेतृत्व की विशेषताएँ



- नेतृत्व के भेद -

(Types of Leadership)



- नेतृत्व के स्वरूप -

(Styles of Leadership)

